DEEPER LEARNING COMICS
an initiative of DLIPL

ISSUE 07-eHI

KNOWLEDGE PARTNER
DCPCR
DELHI COMMISSION FOR PROTECTION OF CHILD RIGHTS

दबंग गर्ल और दिल्ली यात्रा

DABUNG GIRL

एक दिन अंतरिक्ष से आये कुछ अजनबी भारत की मशहूर वैज्ञानिक को उठा ले गए... अनजाने में वो उनकी दोनों बेटियों (तारा और माया) को भी ले गए... कोई नहीं जानता क्यों!

इस घटना के तीन साल बाद, एक रात आसमान में एक अलग तरह की रोशनी देखी गयी...

उसी रात एक दूसरी दुनिया का विमान, उस वैज्ञानिक की दोनों बेटियों को उनके पिताजी के पास तड़कापुर में वापस ले आता है... लेकिन उस वैज्ञानिक का आज भी कोई अता-पता नहीं है...

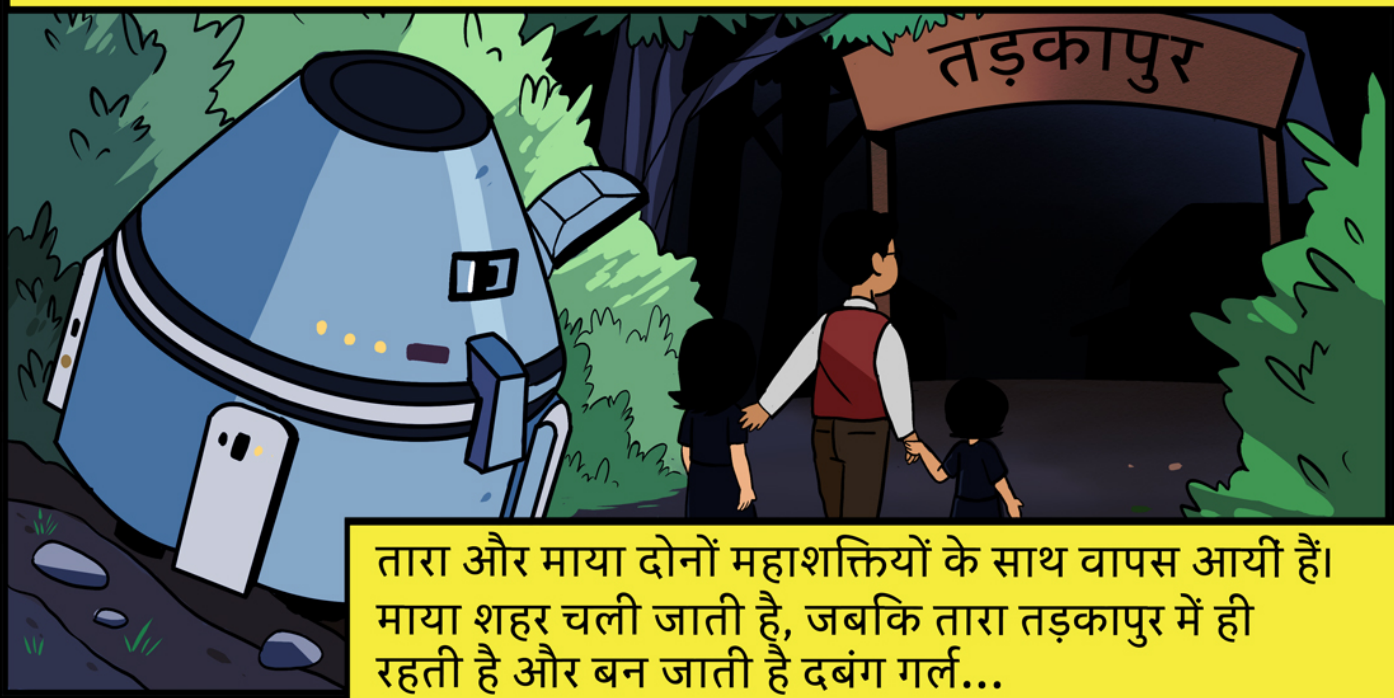

तारा और माया दोनों महाशक्तियों के साथ वापस आयीं हैं। माया शहर चली जाती है, जबकि तारा तड़कापुर में ही रहती है और बन जाती है दबंग गर्ल...

आपके पसंदीदा दोस्त!

मिलिए दबंग गर्ल से, एक सुपरहीरो, जो अपने दोस्तों की मदद के लिए हमेशा तैयार है

शक्ति #1 - नैनो खिंचाव
अपने शरीर को लम्बा करके
वो तुरंत दूर-दूर तक पहुँच सकती है

शक्ति #2 - सुपर न्यूरॉन्स
वो अपने दिल और दिमाग दोनों को 100%
क्षमता पे इस्तेमाल कर सकती है

तारा - एक समझदार लड़की, जो असल में दबंग गर्ल है

मुस्कान - एक हंसमुख लड़की, जिसे सवाल करना बहुत पसंद है

चिंटू - एक भावुक लड़का, जिसे शायरी करना पसंद है

नैना - एक हरफन मौला लड़की, जो गणित और खेल में सबसे आगे है

दबंग गर्ल और दिल्ली यात्रा
नैना के चाचा जी, जो शहर में रहते हैं, बच्चों को शहर घुमाते हुए...
Rd
तो बच्चों तैयार हो दिल्ली घूमने के लिए?
बिलकुल चाचा जी! इतनी सारी जगह हैं यहाँ देखने के लिए!
हाँ! मैंने फिल्मों में देखा है...
अब असली में भी देखोगे!
याहू!

बस उन्हें लाल किले के सामने उतारती है...
बच्चों, जानते हो, लाल किला 350 साल से भी पहले बनाया गया था!
कितना पुराना है ये! और इतना सुन्दर भी!
कमाल का है ये!
लाल किले से थोड़ा दूर...
चलो गुब्बारे खरीदते हैं
दिन के इस वक़्त गुब्बारे बेच रहे हो... तो क्या तुम स्कूल नहीं जाते?
क्या मज़ाक कर रही हो... खरीदो, वर्ना चलते बनो!
लड़का ये बोल के आगे निकल जाता है...

सब कुतुब मीनार पहुँचते हैं...
ये मीनार तो कितना ऊँचा है!
तो क्या हुआ... दबंग गर्ल के सामने तो छोटा ही है!
हा! हा! हा!
वहाँ से निकलते ही...
साहब फूल ले लो ना... सुबह से एक भी नहीं बिका
नहीं चाहिए... निकलो यहाँ से
ले लो ना साहब... बोनी नहीं हुई सुबह से
तुम स्कूल क्यों नहीं जाती?
अरे जल्दी लो... सिगनल पूरे समय लाल नहीं रहेगा!
बोला ना, निकलो!
तारा उदास हो जाती है...

चाचा जी के घर के बाहर...
चाचा जी, सड़क पे काम करने वाले ये बच्चे स्कूल क्यों नहीं जाते हैं?
ये बच्चे बहुत गरीब परिवारों से हैं बेटी... इसलिये अपना और अपने परिवार का पेट भरने के लिए इन्हे काम करना पड़ता है
पर बच्चों से काम करवाना तो गलत है ना... शिक्षा तो बच्चों का अधिकार है
हाँ, हमारी टीचर ने यही बताया है हमें!
ये इतना आसान नहीं... छोड़ो ये सब बातें... अंदर चल के आराम कर लो... कल करोल बाग़ चल के शौपिंग करेंगे

घर में घुसते ही चाचा जी की बेटी चारू भाग के आती है...
चारू, तुम हमारे साथ घूमने क्यों नहीं आई?
मेरी परीक्षा थी आज... कल स्कूल के बाद चलूंगी
सब लोग जूस और बिस्कुट के मज़े लेते हुए...
एक छोटा बच्चा वहाँ काम कर रहा है...

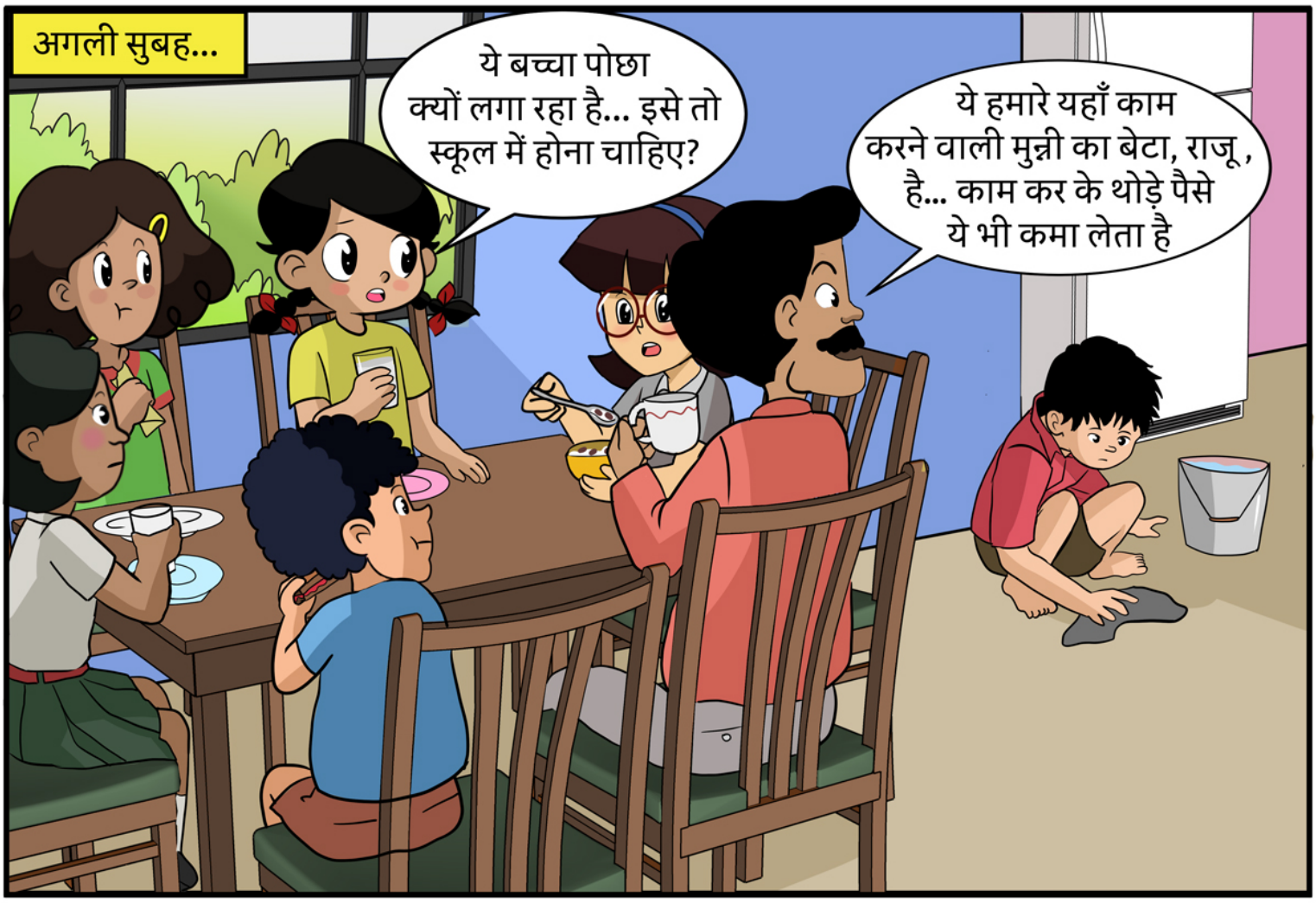
अगली सुबह...
ये बच्चा पोछा क्यों लगा रहा है... इसे तो स्कूल में होना चाहिए?
ये हमारे यहाँ काम करने वाली मुन्नी का बेटा, राजू , है... काम कर के थोड़े पैसे ये भी कमा लेता है

पर बाल मजदूरी तो गलत है... स्कूल नहीं जायेगा तो अपना भविष्य कैसे बनाएगा?
मुझे भी ऐसा ही लगता है

लगता है दबंग गर्ल को ही आना पड़ेगा...

चलो मैं स्कूल जाती हूँ... थोड़ी देर में मिलते हैं!
दोपहर 12 बजे... सब शौपिंग जाने के लिए तैयार...
मेरी तबियत ठीक नहीं लग रही है... थोड़ा सर दर्द है
तुम आज घर पे आराम करो... हम लोग जल्दी वापस आने की कोशिश करेंगे
शौपिंग से पहले, सब चारु को स्कूल से लेने जाते हैं
अब दबंग गर्ल बनने का समय है!

जब मुश्किल हो घड़ी,
दबंग गर्ल है दोस्तों के साथ खड़ी!
फटकार!

आई रे, आई रे,
दबंग गर्ल आई रे!

दबंग गर्ल, मुन्नी और राजू की बस्ती पहुँचती है...
दोस्तों, आज स्कूल नहीं गए तुम लोग?
दाख़िला तो लिया था... पर फिर स्कूल छोड़ना पड़ा
पर क्यों?
स्कूल जा के क्या होगा? माँ कहती हैं कि मैं काम करूँगी तो घर में पैसा आएगा...
लेकिन अगर आज पढ़ाई नहीं की, तो आगे जाके एक सफल जीवन कैसे जी पाओगे? और शिक्षा तो सब बच्चों का अधिकार है... उसे तुमसे कोई नहीं छीन सकता!

पर माँ-बापू कहाँ मानेंगे...
उन्हें समझाना पड़ेगा... आज से ही शुरुआत करते हैं!
दबंग गर्ल पलट कर मुन्नी से बोलती है...
मुन्नी, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम सर का नाम तो सुना ही होगा ना तुमने?
और क्या... उन्हें कौन नहीं जानता!
कभी सोचा है, अगर उनके माँ-बाप उन्हें स्कूल नहीं भेजते, तो क्या वह महान साइंटिस्ट बनते?
अरे ये भाषण किसी और को दो... पेट भी भरना है हमें!
मानती हूँ कुछ मुश्किलें हैं, पर दूर की सोचो... आज की मुश्किलें कल के सुख में बदलेंगी

तभी एक लड़की सीढ़ी से फिसलती है...
!
दबंग गर्ल झट से उसे ज़मीन पे गिरने से बचा लेती है...
अरे... छुटकी कैसे गिर गयी?
पेंसिल पकड़ने की उम्र में अगर इन नन्हे हाथों में झाड़ू पकड़ाओगे तो गिरना तो स्वाभाविक है... इनका आत्मविश्वास कभी गिरने मत देना...

दबंग गर्ल बस्ती से निकल जाती है...
थोड़ा खा भी तो लूँ...
जल्दी से चारु के स्कूल पहुँचती हूँ...

दबंग गर्ल लम्बी होकर बिल्डिंगों को पार करती हुई जाती है...
अब थक गई... लिफ्ट ही ले लेती हूँ...

दबंग गर्ल बिग सिटी स्कूल पहुँचती है...
BIG CITY SCHOOL
अरे तुम यहाँ कैसे दबंग गर्ल?
अब जहाँ मेरे दोस्त होंगे, मैं भी तो वहीं होंगी ना!
हा!
हा!
हा!
बहुत अच्छा किया... आओ तुम्हें अपना स्कूल दिखाऊँ... मैंने प्रिंसिपल से अनुमति ले ली है!
बच्चे स्कूल घूमते हुए...

एक क्लास के बाहर...
6 -अ
मेरे दोस्त तुम लोगों से मिलके बहुत खुश होंगे!
ये तो दबंग गर्ल है!... मैंने कितना सुना है तुम्हारे और तुम्हारी सुपर पावर्स के बारे में!
हा हा हा! दोस्तों, पहले एक गेम खेलते हैं... हम तुमसे तीन सवाल पूछेंगे...
जो भी सही जवाब देगा, वो मेरे कैप्सूल में दिल्ली ऊपर से देखेगा!
हम तैयार हैं!
दबंग गर्ल अपना हाथ लम्बा करके दिखाओ ना!
जब मुश्किल हो घड़ी
दबंग गर्ल है दोस्तों के साथ खड़ी!

थोड़ा विचार-विमर्श करते हुए...
तुम लोग समझ गए ना?
हाँ!
तो पहला सवाल है... तुममे से किस-किस ने अपने घर पे या बाहर किसी बच्चे को पैसे के लिए काम करते देखा है?
सारे बच्चे हाथ उठाते हैं
दूसरा सवाल, किसको लगता है कि बच्चों से ऐसा करवाना गलत है... और बच्चों को तो पढ़ाई करनी चाहिए?
सारे बच्चे फिर से हाथ उठाते हैं

लगता है हम सब ही कैप्सूल में घूमने जाने वाले हैं!
हा!
हा!
हा!
इतनी आसानी से नहीं...
अब यह बताओ कि तुममे से किसने इस बारे में कुछ किया है?
थोड़ी देर के लिए सब बच्चे चुप हो जाते हैं...
हम कर भी क्या सकते हैं?
तुम बहुत कुछ कर सकते हो!

जब कुछ सामान चाहिए होता है तो अपने मम्मी-पापा को समझाते हो ना?
तो उनको क्यों नहीं समझाते कि बच्चों से काम ना करवाएं?
हाँ दबंग गर्ल, यह तो हम सब कर सकते हैं!
बिलकुल! हम सब ऐसे बदलाव की शुरुआत अपने घरों से करेंगे... और धीरे-धीरे सन्देश सब तक पहुँचाएंगे!
क्या कहते हो दोस्तों?
हाँ! हम सब यह कोशिश करेंगे!
यह था सही जवाब!

मैं भी ऐसा किसी बच्चे के साथ नहीं होने दूँगा... मुन्नी और राजू से बात करूँगा!
याहू!!!
World Map
Arctic Ocean
Russia
China
India
Pacific Ocean
Indian Ocean

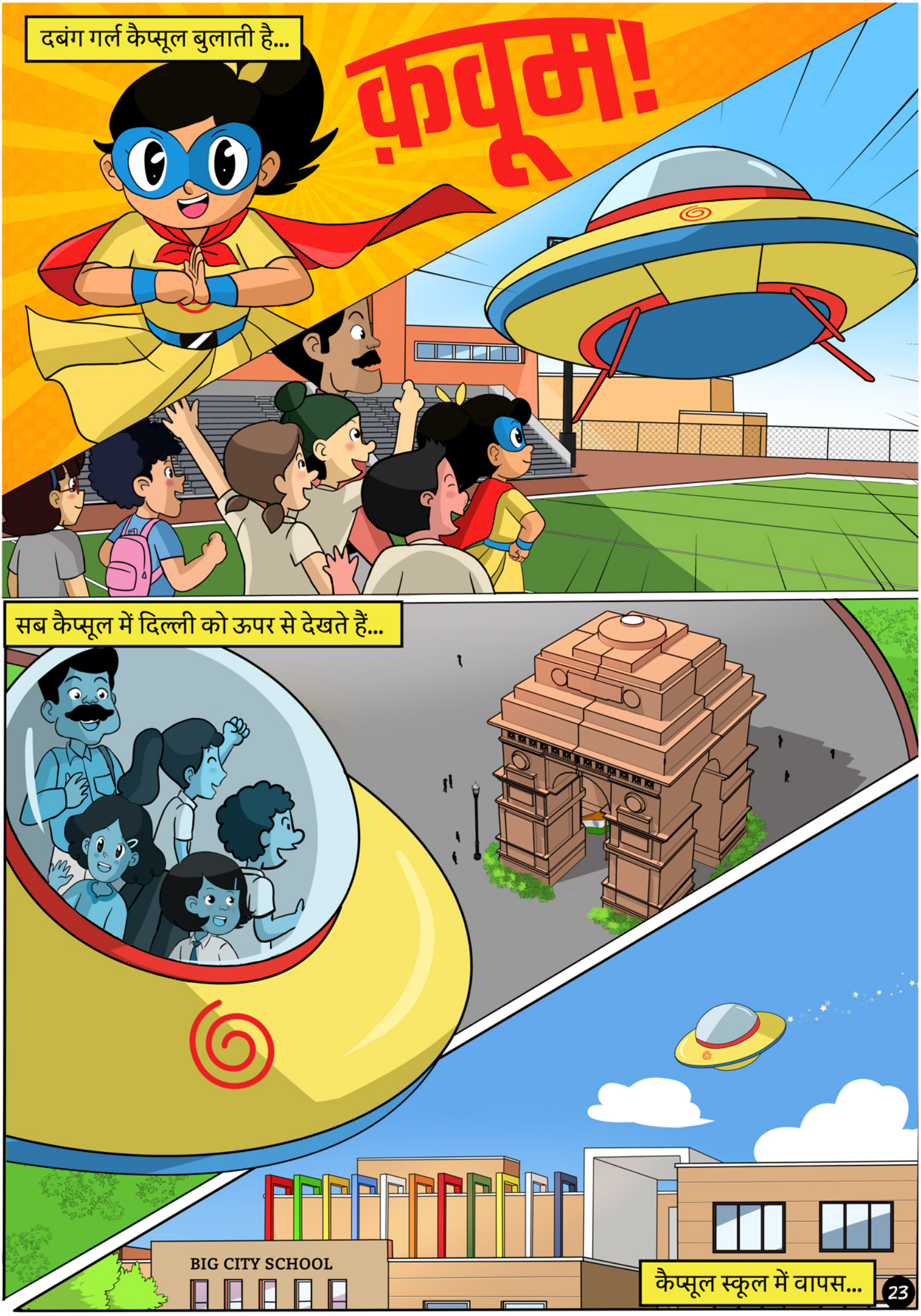
दबंग गर्ल कैप्सूल बुलाती है...
फ़वूम!
सब कैप्सूल में दिल्ली को ऊपर से देखते हैं...
BIG CITY SCHOOL
कैप्सूल स्कूल में वापस...

स्कूल के मैदान में...
तुम लोग चाचा जी के साथ शौपिंग पे निकलो, मैं चलती हूँ!
जाते-जाते हमें कैप्सूल से करोल बाग़ छोड़ दो ना दबंग गर्ल!
दिल्ली में मेरी शान और बढ़ेगी!
हा!
हा!
हा!
तो पहले इस पहेली का जवाब दो... ऐसा क्या है जिसमें बचपन में समय निवेश करें तो ज़िन्दगी भर फल मिलता है?
मैं समझ गई! उत्तर है, शिक्षा!
अरे हाँ! हम आज जितना पढ़ाई में ध्यान देंगे, हमारा भविष्य उतना ही सुनहरा होगा!
बिलकुल सही! तो तैयार हो जाओ करोल बाग़ चलने के लिए कैप्सूल में...
या हू!!!!!!

बच्चों के मन की बात

हैलो दोस्तों... क़वूम!!!

वो कहते हैं ना, "अगर मन में कुछ करने की ठान लो, तो पूरी कायनात उसे तुमसे मिलवाने में लग जाती है"... इस संस्करण में हमने यही दिखाया है - बच्चे अगर ठान लें, तो कोई भी बदलाव ला सकते हैं। हमनें इस कहानी में देखा कि कैसे गरीबी के कारण छोटे-छोटे बच्चे काम कर रहे हैं, अपने और अपने परिवार के लिए। जबकि इन बच्चों का हक है कि वो स्कूल जायें और अपना भविष्य बनायें।

पढ़ाई-लिखाई करना बच्चों का कानूनी अधिकार है, और उनका ये अधिकार उनसे कोई नहीं छीन सकता। 18 साल की उम्र तक बच्चों की पढ़ाई की ज़िम्मेदारी सरकार लेती है, और स्कूल से सम्बंधित सारा खर्च खुद उठाती है।

दोस्तों, अगर आप किसी भी बच्चे को काम करते या भीख मांगते देखते हैं, तो उसकी मदद ऐसे कर सकते हैं:

- अपने माता-पिता या किसी बड़े को इस बारे में सूचित करें
- बच्चे के माता-पिता को सूचित करें
- बच्चे को भी जानकारी दें उसके अधिकारों के बारे में

ये तो हुई काम की बातें। अब बताओ कि कोरोना के समय में सब सुरक्षा के पूरे कदम उठा रहे हो ना? याद रहे, हम सब को सावधान रहना है! अच्छा अब मैं चलती हूँ... भूख लगी है! अब दिल्ली में हूँ तो चाँदनी-चौक के छोले-कुलचे खा लेती हूँ!!

जल्दी ही मिलेंगे फिर से, तब तक के लिए सायोनारा!

बहुत सारा प्यार,
दबंग गर्ल

रंग भरें

मुझे अलग-अलग रंग के कपड़े पहनने बहुत पसंद हैं| क्या आप मुझे सुझाव दे सकते हो मेरे कपड़ों के लिए नए रंगों का?

लीडर
#DabungGirl

दबंग गर्ल एक भारतीय सुपरहीरो है जो सामाजिक न्याय और लैंगिक समानता की दिशा में काम करती है।

निर्भय
#DabungGirl

@DabungGirl

+91-8287672077

reach@DabungGirl.com

बहादुर
#DabungGirl

वह बच्चों को अपने भीतर के नायक को महसूस करके समस्याओं का समाधान खोजने के लिए प्रेरित करती है।

/DabungGirl

~~मजबूत~~
#DabungGirl

आत्मविश्वासी
#DabungGirl

होशियार
#DabungGirl

~~नाज़ुक~~
#DabungGirl

@dabung.girl

दोस्तों की दोस्त
#DabungGirl

/c/DabungGirl

~~गतलवी~~
#DabungGirl

ज़िंदादिल
#DabungGirl

जिज्ञासु
#DabungGirl

वह बच्चों की कल्पना और आत्मविश्वास को पंख देती है।

हमदर्द
#DabungGirl

DabungGirl.com

An initiative of Deeper Learning Innovations Pvt. Ltd. (DLIPL)

लेखक: सौरभ अग्रवाल और अभिषेक सिंह

चित्रकार: मोना सिंह

डिजाइन परिष्करण: अभिश्री मित्तल

कुछ विशेष लोगों को धन्यवाद:
नेहा अग्रवाल, पूजा शर्मा, अभिश्रेय मित्तल, रुचि हजेला, अनुराग सक्सेना, आनंद प्रकाश सिंह, अनंत सिंह, रोहित पांडे, एन इपेन, रीता अग्रवाल, सारा बेनबदल्लाह

अस्वीकरण:
इस पुस्तक की कहानी एक काल्पनिक रचना है। इस कहानी के सभी पात्र, उनके नाम और घटनाए काल्पनिक है, इसका किसी भी व्यक्ति या घटना से कोई संबंध नहीं है। यदि किसी भी जीवित या मृत व्यक्ति से समानता पाई जाती है तो ये मात्र एक संयोग होगा।

यह पुस्तक शिक्षा का अधिकार की घटनाओं से निपटने के लिए किसी विशेषज्ञ दिशा-निर्देश / सलाह को स्थानापन्न करने या उनके नतीजों से निपटने के उद्देश्य से नहीं है। शिक्षा के अधिकार से संबंधित मामलों में प्रासंगिक कानून अधिकारियों और शिक्षा के अधिकारियों से परामर्श करना चाहिए।

डीपर लर्निंग इन्नोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रकाशित।
Copyright © 2020 Deeper Learning Innovations Pvt. Ltd. All Rights Reserved.
No part of this book may be used or reproduced in any manner whatsoever without written permission.
इस पुस्तक का कोई भी भाग, बिना लिखित अनुमति के, किसी भी तरह से उपयोग या पुन: प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है।

अपने प्रश्नों और टिप्पणियों को मेल करें:
reach@DabungGirl.com
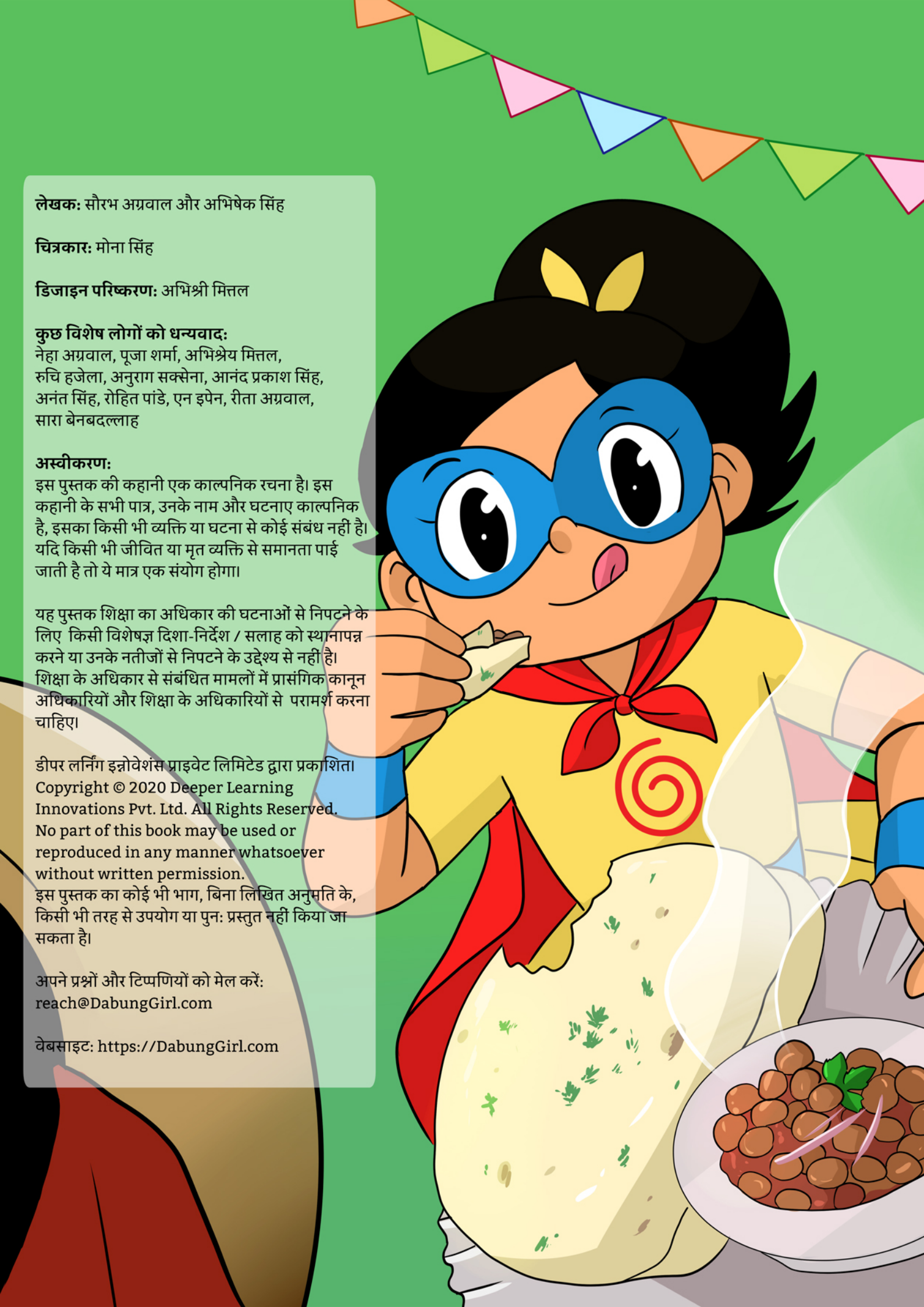
वेबसाइट: https://DabungGirl.com